By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-1

Topic - Nature and scope of Political Theory.

Class - B.A. Degree - I (Sub.) - Unit - 1

Subject - Political Science

Date - 10 July, 2020

By Rahul Kumar Jha.

राजनीतिक सिद्धांत के प्रकृति एवं क्षेत्र :-

राज्य, राजनीति, राजनीतिक संस्थाओं और सरकार की प्रकृति, कार्यों एवम् उद्देश्यों का क्रमबद्ध अध्ययन काफी पुराना है। राजनीतिक गतिविधि एक ऐसी गतिविधि है जो राज्य के माध्यम से व्यक्ति के सामूहिक जीवन को नियमित करती है। ग्रीक राज्यों के समय से ही राजनीतिक चिन्तन कुछ मूल प्रश्नों के उत्तर तलाश करता चला आ रहा है जैसे राजनीतिक गतिविधियां कितनी मौलिक और महत्वपूर्ण है? यह मानव सभ्यता के रूप से आधार उपलब्ध करवाती है जो व्यक्ति को बाकी सभी जीवों से अलग करते हैं? मानव जीवन को समुदाय

में मिलकर रहने को मौलिक समस्या को कैसे सुलझाया जा सकता है क्योंकि समुदाय में रहना मानव प्रकृति के लिए आवश्यक ही नहीं बल्कि उसके व्यक्तिगत जीवन का सार भी है।

राजनीतिक सिद्धांत समाज की राजनीतिक व्यवस्थाओं तथा प्रक्रियाओं का वर्णन, व्याख्या और विश्लेषण करते हैं तथा उनकी कमियों को दूर करने के उपाय बताते हैं। राजनीतिक सिद्धांत थोड़ा जटिल विषय है क्योंकि पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास, जिसका ये सिद्धांत एक अभिन्न अंग हैं, 2300 वर्षों से भी पुराना है तथा इसमें विभिन्न राजनीतिक दार्शनिकों, धर्मशास्त्रियों, अर्थशास्त्रियों, समाजशास्त्रियों, राजाओं तथा अन्य लोगों ने भी अपना योगदान किया है। राजनीतिक सिद्धांतवादियों के लिए 'राजनीतिक सिद्धांत' क्या है? का उत्तर देना काफी पेचीदा काम है। इसके अतिरिक्त, राजनीतिक चिन्तन के लम्बे इतिहास में सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में विभिन्नता तथा परिवर्तनों के कारण

राजनीतिक सिद्धांतों के विषय-क्षेत्र तथा अध्ययन पद्धति दोनों में काफी अंतर आता रहा है।

अध्ययन के दृष्टिकोण से राजनीतिक सिद्धांतों को हम कुछ विशिष्ट धाराओं में बाँट लेते है जैसे- क्लासिकी, उदारवादी, मार्क्सवादी, व्यवहारवादी, समकालीन आदि। उदाहरण के लिए, जहां क्लासिकी राजनीतिक सिद्धांतों पर दर्शनशास्त्र का अत्यधिक प्रभाव था और सिद्धांतों का उद्देश्य राजनीतिक घटनाओं का वर्णन, व्याख्या, निर्धारण और मूल्यांकन सभी कुछ था, वहीं व्यवहारवाद ने राजनीतिक सिद्धांतों में विज्ञान को अधिक महत्व दिया और इन्हें केवल राजनीतिक वास्तविकता के वर्णन और व्याख्या तक ही सीमित रखा।

साधारण शब्दों में राजनीतिक सिद्धांत राज्य से संबंधित ज्ञान है जिसमें राजनीतिक का अर्थ है 'सार्वजनिक हित के विषय' तथा सिद्धांत का अर्थ है 'क्रमबद्ध ज्ञान'। इस प्रकार राजनीतिक सिद्धांत सार्वजनिक हित से संबंधित विषयों का क्रमबद्ध अध्ययन है।

(CHAPTER CONTINUES....)